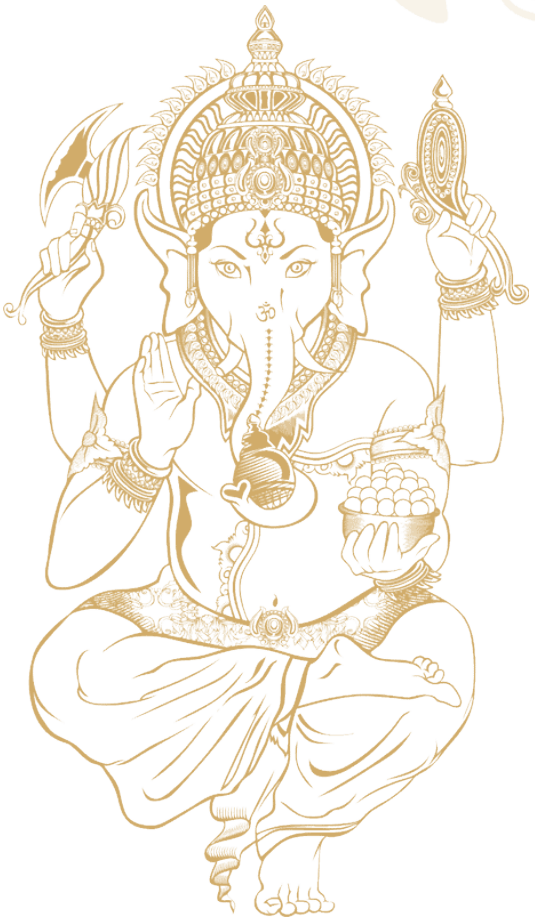

Meena

21 Nov 1961

02:30 AM

Calcutta

Model: web-freekundliweb

Order No: 121144112

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**20-21/11/1961**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**02:30:00 घंटे**
इष्ट	51:33:43 घटी
स्थान	**Calcutta**
राज्य	West Bengal
देश	India

अक्षांश	22:30:00 उत्तर
रेखांश	88:20:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:23:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:53:20 घंटे
वेलान्तर	00:14:26 घंटे
साम्पातिक काल	06:51:52 घंटे
सूर्योदय	05:52:30 घंटे
सूर्यास्त	16:51:56 घंटे
दिनमान	10:59:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	04:59:25 वृश्चिक
लग्न के अंश	18:38:26 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	वरियान
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ली-लीना
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	18:38:26	332:08:50	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	04:59:25	01:00:34	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			मेष	15:24:50	13:58:08	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	वृश्चि	11:41:32	00:43:22	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	स्वराशि
बुध			तुला	20:56:34	01:32:26	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
गुरु			मक	09:05:12	00:09:43	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	नीच राशि
शुक्र			तुला	18:45:17	01:15:13	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	मूलत्रिकोण
शनि			मक	02:13:49	00:04:52	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	स्वराशि
राहु	व		कर्क	28:48:39	00:11:43	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		मक	28:48:39	00:11:43	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			सिंह	07:07:02	00:00:51	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	---
नेप			तुला	18:21:47	00:02:10	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
प्लूटो			सिंह	16:41:08	00:00:41	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	---
दशम भाव			मिथु	18:36:14	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:19:17

लग्न-चलित

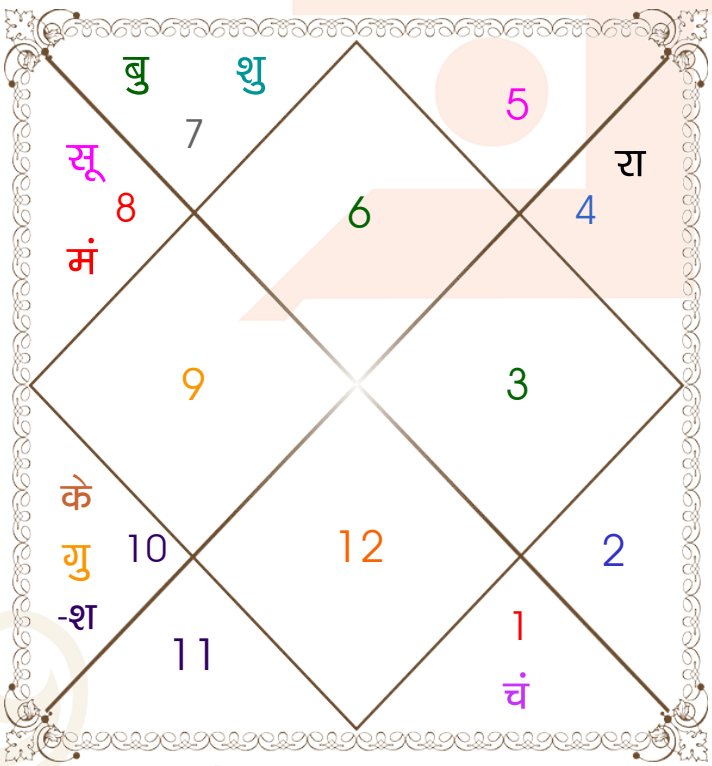

चन्द्र कुंडली

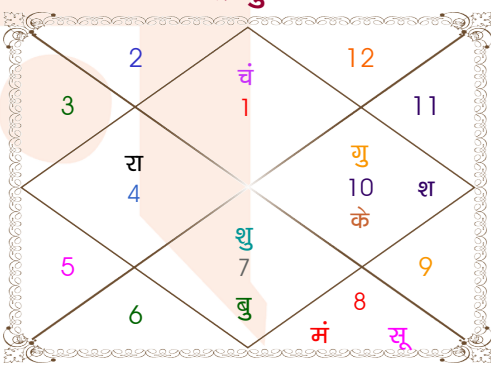

नवमांश कुंडली

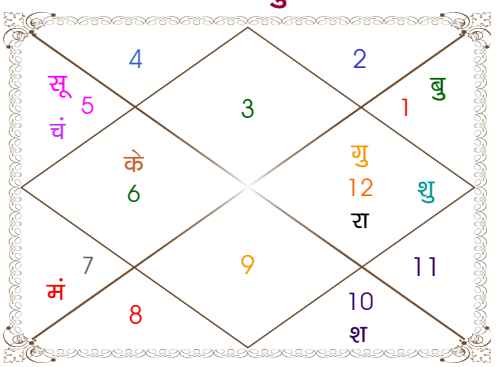

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 16 वर्ष 10 मास 16 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
21/11/1961		08/10/1978		07/10/1984		08/10/1994		07/10/2001	
08/10/1978		07/10/1984		08/10/1994		07/10/2001		08/10/2019	
शुक्र	06/02/1962	सूर्य	25/01/1979	चंद्र	08/08/1985	मंगल	06/03/1995	राहु	20/06/2004
सूर्य	06/02/1963	चंद्र	27/07/1979	मंगल	09/03/1986	राहु	23/03/1996	गुरु	13/11/2006
चंद्र	07/10/1964	मंगल	02/12/1979	राहु	07/09/1987	गुरु	27/02/1997	शनि	19/09/2009
मंगल	07/12/1965	राहु	25/10/1980	गुरु	06/01/1989	शनि	08/04/1998	बुध	08/04/2012
राहु	07/12/1968	गुरु	14/08/1981	शनि	08/08/1990	बुध	05/04/1999	केतु	26/04/2013
गुरु	08/08/1971	शनि	27/07/1982	बुध	07/01/1992	केतु	01/09/1999	शुक्र	26/04/2016
शनि	08/10/1974	बुध	02/06/1983	केतु	07/08/1992	शुक्र	31/10/2000	सूर्य	21/03/2017
बुध	08/08/1977	केतु	08/10/1983	शुक्र	08/04/1994	सूर्य	08/03/2001	चंद्र	19/09/2018
केतु	08/10/1978	शुक्र	07/10/1984	सूर्य	08/10/1994	चंद्र	07/10/2001	मंगल	08/10/2019

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
08/10/2019		08/10/2035		08/10/2054		08/10/2071		08/10/2078	
08/10/2035		08/10/2054		08/10/2071		08/10/2078		00/00/0000	
गुरु	25/11/2021	शनि	11/10/2038	बुध	05/03/2057	केतु	05/03/2072	शुक्र	21/11/2081
शनि	07/06/2024	बुध	20/06/2041	केतु	02/03/2058	शुक्र	05/05/2073		00/00/0000
बुध	13/09/2026	केतु	30/07/2042	शुक्र	31/12/2060	सूर्य	10/09/2073		00/00/0000
केतु	20/08/2027	शुक्र	28/09/2045	सूर्य	07/11/2061	चंद्र	11/04/2074		00/00/0000
शुक्र	20/04/2030	सूर्य	10/09/2046	चंद्र	08/04/2063	मंगल	07/09/2074		00/00/0000
सूर्य	06/02/2031	चंद्र	11/04/2048	मंगल	04/04/2064	राहु	26/09/2075		00/00/0000
चंद्र	07/06/2032	मंगल	20/05/2049	राहु	23/10/2066	गुरु	01/09/2076		00/00/0000
मंगल	14/05/2033	राहु	26/03/2052	गुरु	28/01/2069	शनि	10/10/2077		00/00/0000
राहु	08/10/2035	गुरु	08/10/2054	शनि	08/10/2071	बुध	08/10/2078		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 16 वर्ष 10 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के तृतीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी साथ-साथ उदित था। आपके जन्मकाल के समन्वित ग्रह प्रभाव से यह परिलक्षित हो रहा है कि आप अध्ययनप्रिय हैं तथा आप सृजनात्मक लक्ष्य के प्रति सतत प्रयत्नशील तथा समर्पित महिला हैं। आपको इस प्रवृति को लाभजनक स्थिति में परिवर्तित करना चाहिए।

आप बुद्धिजीवी महिला है। परन्तु आपका चारित्रिक बल का महत्त्व प्रदर्शन आपके लिए व्यवधान कारक हो सकता है। आपकी सर्वत्र आलोचना होती है तथा आप जन्म सामन्य के दृष्टिकोण से पथभ्रष्ट होने के नाते आप इनकी श्रेणी में नहीं आती परिणाम स्वरूप अच्छी जामात के लोग आपको अपना प्रतिपक्षी (विरोधी) समझते है। आपके कुछ मित्रगण एवं आपके नौकर अधिक विरुद्ध एक जुट होकर आपको जन सामन्य की नजरों से पतित प्रमाणित करने का प्रयास कर सकते हैं। अतः आपको धैर्यपूर्वक एवं शान्त चित्त से अन्य के साथ अपना उत्तम व्यवहार बनाना होगा।

आपमें अन्य दुर्बलता यह है कि आप मध्यपान करने एवं संभोगात्मक प्रवृति से आकर्षित एवं वशीभूत हैं। आपको उत्तम स्वस्थ जीवन व्यतीत करने के लिए इन आदतों को नियंत्रित करना होगा तथा सुव्यवस्थित पारिवारिक वातावरण को सुनिश्चित करना होगा। क्योंकि मुख्यतः आपकों इस बात का गर्व होगा कि आपके पति बुद्धिमान हैं तथा आपको अच्छी सन्तान का संयोग प्राप्त है।

आपको अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु अनावश्यक सम्बन्ध की कोई आवश्यकता नहीं है। आपको उत्तम जीवन हेतु अच्छा वातावरण एवं कार्य कलाप अपनाना चाहिए। परन्तु वर्त्तमान काल आपको उदर विकार एवं मूर्च्छा जनित रोगों के प्रति अति संवेदनशील रहना होगा। आपको कतिपय संभावित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रवृति रखनी चाहिए। यथा टायफायड, पेचीश एवं बेहोशी मूर्छा जनित आदि रोग आपको स्तम्भित कर सकता है। आपको सतर्कता पूर्वक अतिरिक्त भोजनादि में शाकाहार ग्रहण करना चाहिए। यह आहार-विहार आपके लिए लाभप्रद सिद्ध है।

आप निश्चय ही धनी होकर सुखमय जीवन यापन कर सकती हों परन्तु आपको प्रयत्नशील रहना होगा। आपको नियमितता बरतनी होगी। सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। प्रायः आपको अस्थिर बुद्धि से अपनी ढुलमुल नीति के अनुसार कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए। आपको सर्वप्रथम गम्भीरता पूर्वक अपनी योजना एवं कार्यकलाप के प्रति विचार कर एकाग्रता पूर्वक निर्णयानुसार कार्यारम्भ करें।

आपको शीघ्रतापूर्वक धन उपार्जन हेतु अतिरिक्त शक्ति सम्पन्न होना होगा। आप अनुकूल व्यवसायिक कार्यकलाप में धन का विनियोग कर सकती हैं। बहुधा आप ठोस व्यवसाय अपना सकती हैं। आप अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति उपेक्षात्मक आचरण का निर्माण करें।

आपको अपनी लागत की वापसी हेतु किसी प्रकार की उद्घोषणा करने की

आवश्यकता है।

आप भ्रमणशील प्रवृति की प्राणी है तथा बहुधा आप अपने निवास को परिवर्तित करती रहती हैं। कुछ भी हो आप अपनी परिवर्त्तनशील प्रवृति को अटल करें। यह आपके स्वभाव के लिए एक चाभी प्रमाणित होगा। आप अपने अस्थिर रहन-सहन की आदतों को अपूर्ण नहीं रखें अन्यथा यह आपको अति संचालित करता रहेगा। यदि आप अपने जीवन स्तर को उच्चता प्रदान करना चाहती हैं तो आप इस प्रकार की विशेषता का समावेश अपने जीवन में करे।

आपके लिए अंको में सर्वोत्तम अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। जीवन के लिए स्वाभाविक है। अंक 1 एवं 8 अंक त्याज्यनीय हैं।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप सप्ताहिक दिनों में रविवार, मंगलवार, एवं शनिवार के दिनों को छोड़कर शेष सोमवार, बुधवार, गुरुवार एवं शुक्रवार का दिन आपके मुख्य एवं महत्वपूर्ण कार्यों के सम्पादन हेतु पूर्ण अनुकूल हैं।